भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2808

गुरुवार, 19 **दिसम्बर, 2024/28 अग्रहायण**, **1946 (शक)**

स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोजगार उपलब्धता बढोत्तरी में कमी

2808. श्री ए. डी. सिह:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण देश में रोजगार की वृद्धि में कमी आई है;
(ख) यदि हाँ, तो स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोजगार की वृद्धि में किस सीमा तक बाधा पहुंची है; और
(ग) रोजगारोन्मुखी अवसंरचना के सृजन के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): भारत में रोजगार/बेरोजगारी संकेतक का आधिकारिक डेटा स्रोत सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा 2017-18 से आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) है। सर्वेक्षण की अवधि हर साल जुलाई से जून होती है। नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, रोजगार को दर्शाने वाला अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) यानी 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति पर वर्ष 2017-18 में 46.8% से बढ़कर 2023-24 में 58.2% हो गया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण कुछ नेमी प्रकार की नौकरियों पर प्रभाव हो सकता है, लेकिन इससे विभिन्न डेटा विज्ञान, डेटा क्यूरेशन आदि में रोजगार सृजन भी होगा। इसके लिए रीस्किलिंग और अपस्किलिंग की आवश्यकता होगी, जिसके लिए सरकार विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी क्षेत्र से जुड़े कार्मिकों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए ' फ्यूचर स्किल्स प्राइम' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 18.56 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने फ्यूचर स्किल्स प्राइम पोर्टल पर साइन-अप किया है, जिनमें से 3.37 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने अपना कोर्स पूरा कर लिया है।

एमईआईटीवाई द्वारा नासकॉम की साझेदारी से कार्यान्वित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्रों की योजना के तहत , स्टार्टअप्स को एआई आधारित टूल और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए समर्थन दिया जाता है जो विनिर्माण कंपनियों के लिए उपयोग किए जाते हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कंपनियों द्वारा ऐसे कई उपाय प्रयोग किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर ' युवाआई: एआई के साथ युवाओं की उन्नति और विकास' नामक स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू किया है जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयक क्षेत्रों- कृषि , आरोग्य , शिक्षा , पर्यावरण , परिवहन , ग्रामीण विकास , स्मार्ट सिटी तथा विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है जो करियर से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। यह पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों, रोजगार खोज और मिलान, करियर काउंसलिंग, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि की जानकारी भी प्रदान करता है।

***